

INHALT

| | |
|--|---------------|
| A. Einleitung | 1 |
| 1. Literatur | 1 |
| 2. Zeichenerklärung | 2 |
| 3. Poetische Sprache und quantitierende Metrik | 4 |
| 4. Perioden | 7 |
| 5. Metren | 7 |
| 6. Metrische Freiheiten | 8 |
| 7. Sing- und Sprechverse | 9 |
| B. Sprechverse | 11 |
| 1. Zäsuren, Dihäresen, Brücken | 11 |
| 2. Daktylische Hexameter | 12 |
| a) Der homerische Hexameter | 13 |
| b) Der nachhomerische Hexameter | 15 |
| c) Das Distichon | 16 |
| 3. Trimeter und Tetrameter | 17 |
| a) Iambische Trimeter | 19 |
| b) Hinkiamben, katalektische Trimeter, Tetrameter | 22 |
| c) Trochäische Tetrameter | 23 |
| C. Singverse | 24 |
| 1. Singverse <i>κατὰ μέτρον</i> | 24 |
| a) Daktylen | 25 |
| b) Anapäste | 30 |
| c) Iamben | 33 |
| d) Ioniker | 34 |
| e) Choriamben | 36 |
| f) Trochäen | 36 |
| g) Kretiker | 36 |
| h) Choriambische Dimeter | 37 |
| 2. Nicht <i>κατὰ μέτρον</i> gebaute Singverse | 37 |
| a) Archilochos und die Epoden-Verse | 39 |
| b) Die äolischen Dichter | 43 |
| c) Die Mischung verschiedener Versgattungen in der frühen Chor-lyrik | 48 |

| | |
|--|----|
| d) Pindar und Bakchylides | 51 |
| α) Die aus Iamben abgeleiteten Verse | 51 |
| β) Daktyloepitriten | 51 |
| γ) Daktyloiamben | 54 |
| δ) Die 'äolischen' Versmaße | 54 |
| e) Tragödie und Komödie | 57 |
| α) Aufbau der Strophen | 57 |
| β) „Gleitende Übergänge“ | 58 |
| γ) Dochmien | 63 |
| f) Die nachklassische Zeit | 64 |
| D. Die antiken metrischen Theorien | 65 |
| E. Prosodie | 65 |
| 1. Quantität | 65 |
| a) Positionslänge | 65 |
| b) Silbendehnung und -kürzung | 67 |
| 2. Wortbild | 68 |
| 3. Hiat | 69 |
| 4. Prosodische Kunst | 69 |
| 5. Didaktische Schlußbemerkung | 70 |
| F. Nachwort | 71 |
| Register | 73 |
| 1. Stellenregister | 73 |
| 2. Personen- und Sachregister | 74 |